Publication: Amar Ujala
Date: October 01, 2019

डेयरी जाइए, वेंडिंग मशीन से सस्ता दूध पाइए और पर्यावरण बचाइए

दिल्ली-एनसीआर में 6 लाख से बढ़ाकर 10 लाख लीटर दूध बेचने की तैयारी

माई सिटी रिपोर्टर

नोएडा। दूध उत्पादक व्यवसाय से जुड़ी मदर डेयरी भी प्लास्टिक मुक्त अभियान को बढ़ावा देने में जुट गई है। इसके लिए डेयरी ने टोकन मशीन से दूध की बिक्री को बढ़ावा देने की कवायद शुरू की है। प्लास्टिक थैली के बजाय वेंडिंग मशीन से सस्ते दूध के विकल्प के प्रति ग्राहकों को जागरूक भी किया जा रहा है। साथ ही ग्राहकों तक वेंडिंग मशीन से थैली मुक्त दूध की सप्लाई की योजना भी मदर डेयरी तैयार कर रही है।

मदर डेयरी फ्रूट एंड वेजिटेबल प्राइवेट लिमिटेड के सीनियर बिजनेस हेड (मिल्क) विनोद कुमार चोपड़ा ने बताया कि फिलहाल डेयरी 6 लाख लीटर दूध टोकन व वेंडिंग मशीनों के जरिए बेच रही है। पॉलिथीन के प्रति लोगों में बढ़ रही जागरूकता को ध्यान में रख कंपनी 10 लाख लीटर तक क्षमता बढ़ाने जा रही है। इससे कंपनी पर सब्सिडी का बोझ 90 करोड़ रुपये से बढ़कर 140 करोड़ रुपये हो जाएगा। कंपनी थैली में 44 रुपये प्रति लीटर दूध बेचती है जबकि टोकन मशीन से 40 रुपये प्रति लीटर दूध बेचा जा रहा है। ऐसे में अतिरिक्त 4 रुपये का खर्च कंपनी खुद उठा रही है। मई से पहले कंपनी पर यह बोझ 2 रुपये था, क्योंकि पैक दूध की कीमत 2 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दी गई थी, लेकिन टोकन मशीन की दरें नहीं बढ़ाई गईं थीं। दिल्ली-एनसीआर में मदर डेयरी के 900 बूथ हैं। फ्रेंचाइजी व इंस्युलेटेड कंटेनर्स आदि के जरिये भी थैली मुक्त दूध की बिक्री की जा रही है।

पहल एक

प्लास्टिक थैली की बजाय टोकन मशीन से बिक्री बढ़ाएगी मदर डेयरी

900 बूथ हैं मदर डेयरी के दिल्ली एनसीआर में

40 हजार मिट्रिक टन कचरा बचाया

कंपनी के मुताबिक औसतन एक घर में डेढ़ लीटर दूध की खपत आंकी गई है। एक लीटर दूध की पैकिंग में 4.2 ग्राम प्लास्टिक का प्रयोग होता है। ऐसे में डेढ़ लीटर दूध के साथ करीब 6 ग्राम प्लास्टिक भी ग्राहक घर ले जाते हैं। यह आंकड़ा सालाना करीब 2.3 किलोग्राम तक पहुंच जाता है। टोकन मशीन से 6 लाख लीटर दूध बेचकर मदर डेयरी ने वर्ष 1974 से अब तक 40 हजार मिट्रिक टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होने से बचाया है। डेयरी ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्रमाणित उत्पादक उत्तरदायित्व संगठन की मदद से 2020 तक 830 टन प्लास्टिक संग्रहण करने और उसका पुनर्चक्रीकरण (रिसाइकिल) करने का लक्ष्य रखा है।

होम डिलीवरी मॉडल पर काम कर रही डेयरी

मदर डेयरी की रिसर्च एंड डेवलपमेंट शाखा प्लास्टिक की थैलियों का विकल्प तलाशने में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल जिस पैकेट में दूध वितरित किया जा रहा है वो 100 प्रतिशत रिसाइक्लेबल (पुनः प्रयोग होने वाली) है। इसकी मोटाई 50 माइक्रोन से ऊपर है, लेकिन डेयरी पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रख थैली वाले दूध की बजाय टोकन मशीन से दूध की बिक्री को बढ़ावा देने की तैयारी में है। इसके लिए ग्राहकों तक थैली मुक्त दूध पहुंचाने की कार्य योजना पर मंथन किया जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर में होम डिलीवरी का मॉडल पायलट प्रोजेक्टहै। मोबाइल डिलीवरी वैन बढ़ाई जाएंगी। बूथों को मॉडर्न लुक देने की योजना है।

थैलियों से बना पुतला बनाकर करेंगे रिसाइकल

स्वच्छता अभियान में भागीदारी निभाते हुए मदर डेयरी 2 अक्तूबर को प्लास्टिक थैलियों के पुतले को रिसाइकल करने का काम करेगा। इसके लिए 4 हजार से ज्यादा घरों से दूध के खाली पैकेट एकत्रित करने का काम किया गया है।